Self Respect

31-07-2014

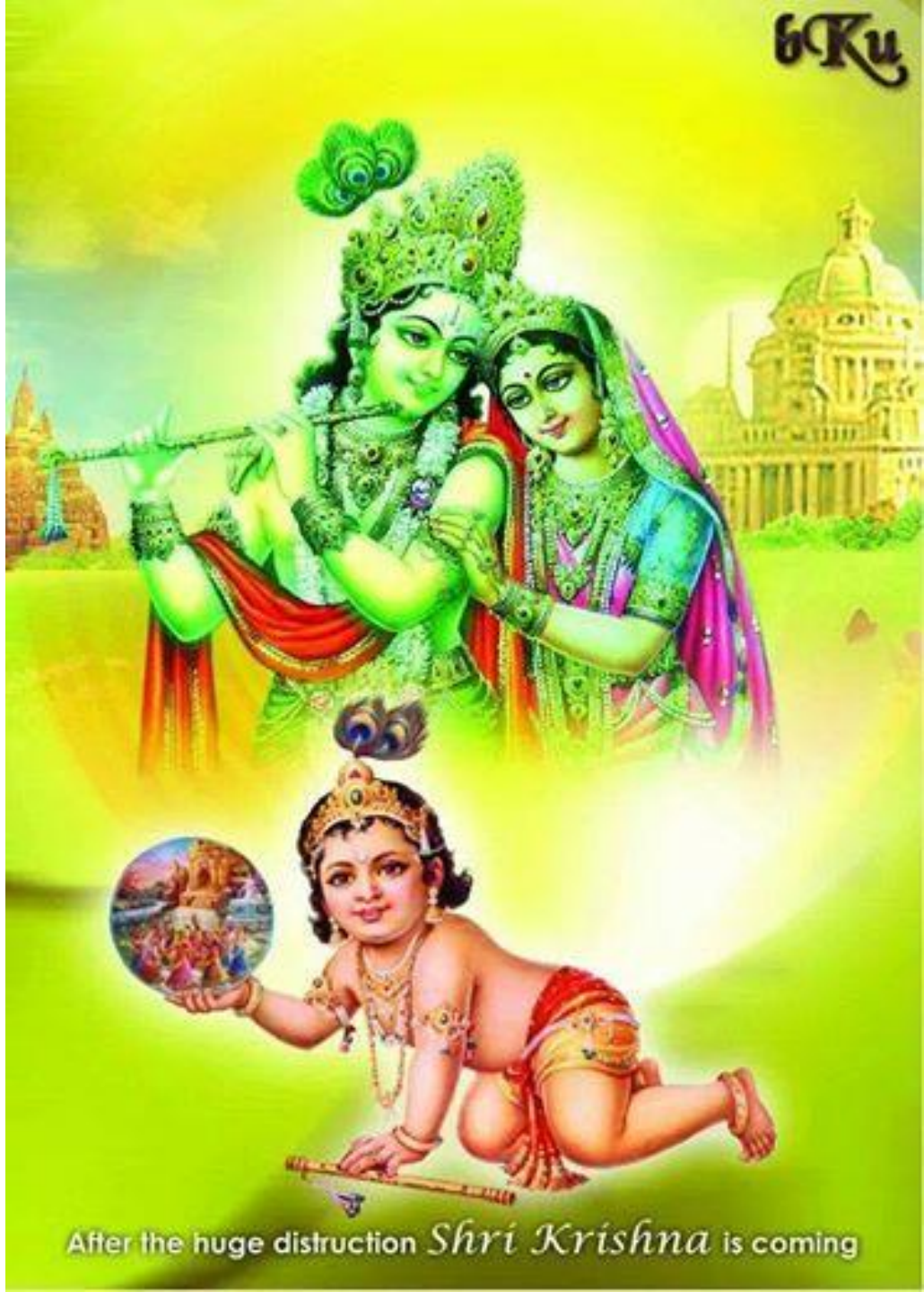

- ✓यह है ज्ञान मार्ग । संगम को भी कुम्भ कहा जाता है । तीन नदियां वास्तव में हैं नहीं, गुप्त नदी पानी की कैसे हो सकती है! बाप कहते हैं तुम्हारी यह गीता गुप्त है । तो यह समझाया जाता है तुम योगबल से विश्व की बादशाही लेते हो, इसमें नाच-तमाशा आदि कुछ भी नहीं है ।
- ✓ज्ञान सिर्फ एक ही बार मिलता है फिर उसकी प्रालब्ध 21 जन्म चलती है । अभी तुम्हारी आँखें खुली हैं ।
- ✓अब राखी बंधन पर ब्राह्मण लोग राखी बांधते हैं । तुम भी ब्राह्मण हो । वह है कुख वंशवाली, तुम हो मुख वंशावली ।

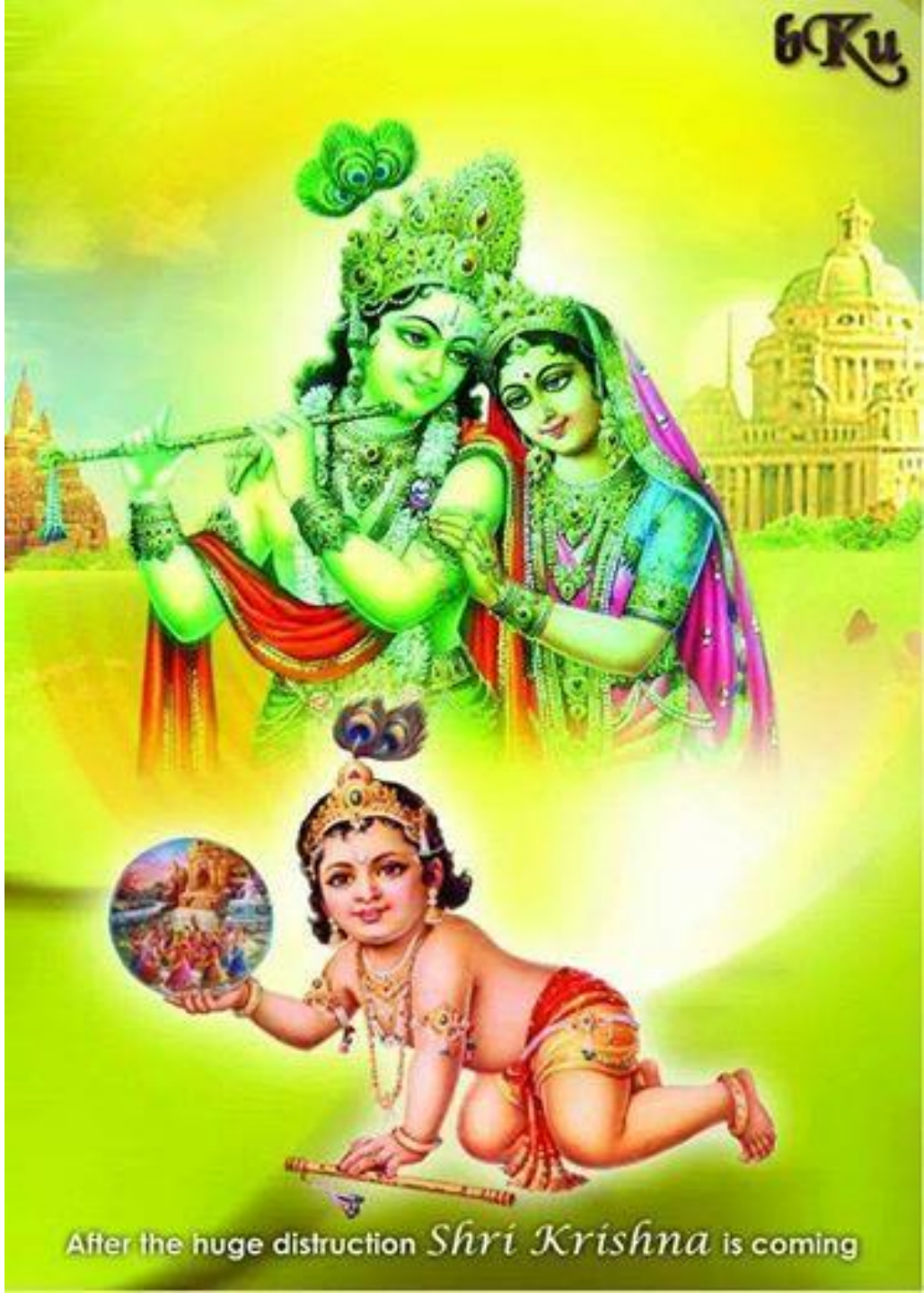

✓हम तो अपने बाप को याद करते हैं, वह ज्ञान का सागर है । तुमको आपसमान बनाते हैं तो तुम भी ज्ञान सागर बनते हो ।

✓बाप भी ज्ञान सागर, तुम भी ज्ञान के सागर ।

✓समय पर आकर सबकी सद्गति करता हूँ । सबसे जास्ती भक्ति तुमने की है फिर बाप तुमको ही पढ़ाते हैं ।

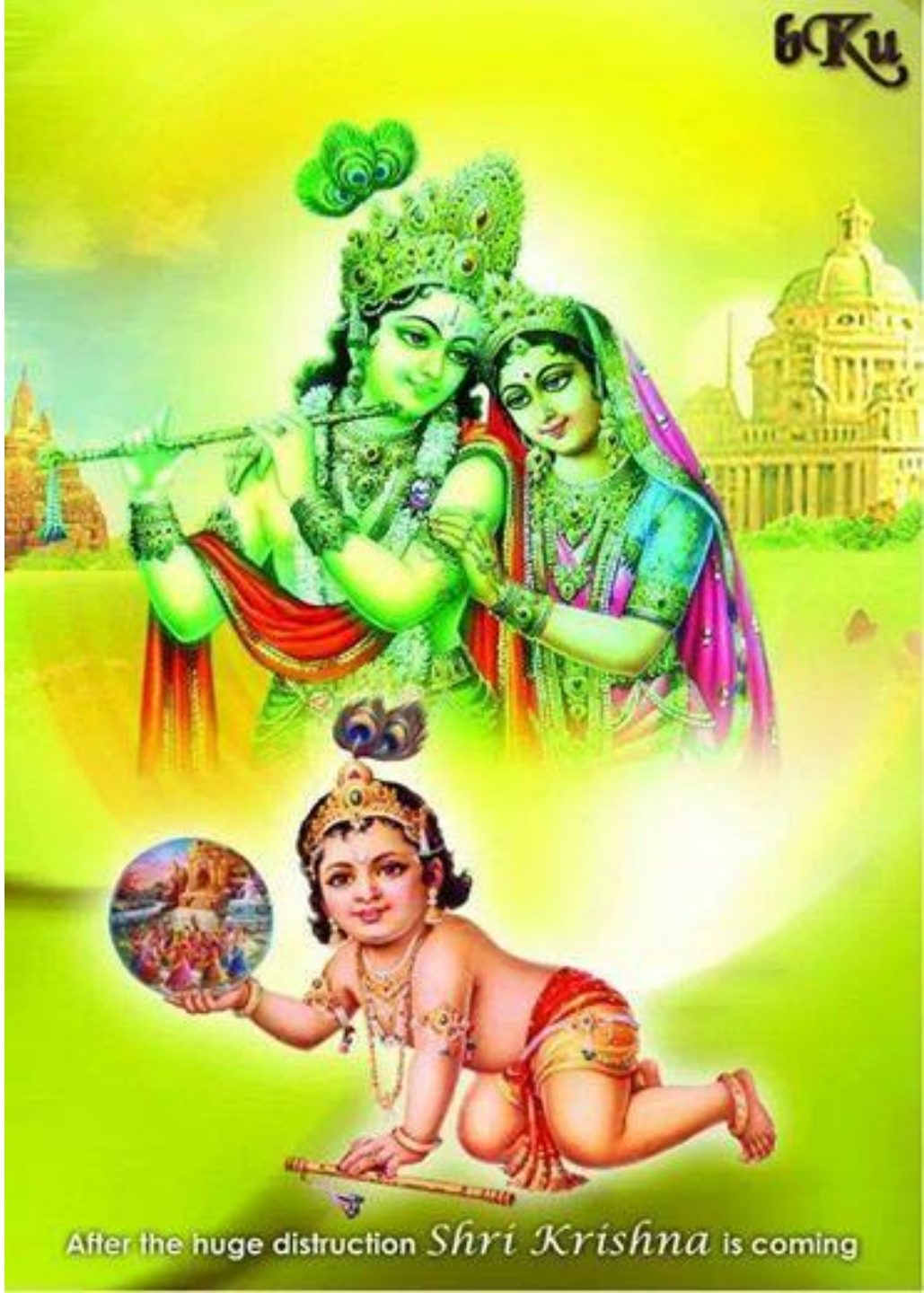

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |

✓वरदान:- प्याइंट स्वरूप में स्थित हो मन बुद्धि को निगेटिव के प्रभाव से सेफ रखने वाले विशेष आत्मा भव !